SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY: Sir, my intention is very simple. I would like to bring it to the House.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You have already said it.

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY: ...and, at the same time, request the Government of India to control the Chief Minister of A.P. from interfering in the affairs of media through media Watch ...*(Interruptions)*...

SHRI AMAR SINGH: Sir, I strongly associate myself with him. My party strongly associate myself with him ...*(Interruptions)*... To maintain democracy and to have freedom of the press in the country, we all associate ourselves with him ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Nothing is going on record ...*(Interruptions)*...

SHRI V. NARAYNASAMY:*

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY:*

SHRI AMAR SINGH:*

N.E.T.V.

श्री दिग्विजय सिंह (झारखंड): महोदय, यह मेरा सौभाग्य है कि गृह मंत्री जी यहां बैठे हुए हैं। एन.ई.टी.वी. का मामला गृह मंत्रालय से जुड़ा सवाल है। एन.ई.टी.वी. ने अपने एक कार्यक्रम में इस बात की जानकारी दी थी और वह जानकारी सही है या गलत है एन.ई.टी.वी. उसके बारे में जिम्मेदारी लेगा। लेकिन उसने यह कहा था कि जो राष्ट्रीय खेल हो रहे हैं उनको शांतिपूर्वक चलाने के लिए वहां के मुख्य मंत्री और उल्फा के बीच में एक नेक्सेस बना है। यह बात एन. ई.टी.वी. पर कही गई थी और उसके चलते जो राष्ट्रीय खेल हो रहे थे, उस पर पाबंदी लगा दी गई कि एन.ई.टी.वी. पर राष्ट्रीय खेल नहीं प्रसारित किया जाएगा। ...(**व्यवधान**)... यह सब अखबारों में छपा हुआ है। मैं इस बात का जिक्र इसलिए कर रहा हूं कि गृह मंत्री जी को इस बात की चिंता होनी चाहिए कि एन.ई.टी.वी. का मालिक कोई और नहीं, आपकी सरकार का पूर्व मंत्री, कांग्रेसी मंत्री है। ...(**व्यवधान**)... प्रधान मंत्री कार्यालय का मंत्री था। उसको आपकी सरकार ने एनएसजी की सेक्योरिटी दी थी और वह सेक्योरिटी अभी तक रही है। अब उल्फा की तरफ से उसको थ्रेटनिंग दी जा रही है। कि या तो तुम आसाम छोड़ो, नहीं तो तुम्हारे एन.ई.टी. वी. को हम बम से उड़ा देंगे। एक तरफ यह चेतावनी है और दूसरी तरफ सरकार की तरफ से पाबंदी है। वहां के मुख्य मंत्री असेम्बली में कहते हैं कि चूंकि वह हमारे खिलाफ हैं, इसलिए हम

*Not recorded.

उनको इजाजत नहीं देंगे। यह कौन सा तंत्र चल रहा है? क्या गृह मंत्री जी इसके बारे में बोलेंगे? क्या इस व्यक्ति को ऐसे ही मरने देंगे? क्या आप उसके लिए सुरक्षा का इंतजाम नहीं करेंगे? ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: श्री अजय मारू का समय चला जाएगा, आप केवल एसोसिएट कर दीजिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री दिग्विजय सिंह: आपने उनको एनएसजी जी की सेक्योरिटी दे रखी थी, उसको आपने विदड्रा कर लिया। आसाम में सिक्योरिटी का कोई इंतजाम नहीं है। हम सब लोग गए थे, वहां देखकर के आए हैं, कोई सिक्योरिटी का इंतजाम नहीं है।

माननीय उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय गृह मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि क्या उसको सिक्योरिटी वापिस दी जायेगी या उसको मरने के लिए उसके हाल पर छोड़ दिया जायेगा? ...(**समय की घंटी**)... यदि गृह मंत्री जी इसका जवाब नहीं देंगे, तो इस प्रश्न को उठाने को कोई मतलब नहीं होगा। ...(**व्यवधान**)...

श्री अमर सिंह (उत्तर प्रदेश): सर, वहां जो मंत्री है। ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: नहीं, नहीं। ...(**व्यवधान**)...

श्री एस॰एस॰ अहलुवालिया (झारखंड): सर, नार्थ-ईस्ट टी॰वी॰ एक ऐसा टी॰वी॰ है जिस पर पूरे उत्तर-पूर्व क्षेत्र में, वहां की सब रीजनल लैंग्वेज में, मिजोरम से लेकर नेपाली तक हर भाषा में न्यूज और प्रोग्राम होते हैं। यह जो नेशनल गेम्स वहां हुए, उनसे वह वंचित रहा। उसका क्या अपराध है। उनका अपराध यह है कि उन्होंने वह पूरा फोटो स्टेट दिखाया, जो पैसा कोलकाता के व्यापारी के माध्यम से उल्फा के लीडर्स को दिया गया, इस एवज पर कि आप गड़बड़ नहीं करेंगे और ठीक उसके कुछ दिन बाद बयान आ गया। पहले बयान आया था कि गेम्स नहीं होने देंगे, ठीक उस पैसे की ट्रांसफर होने के बाद में बयान आ गया कि हम आसाम का वृहत्तर स्वार्थ देखते हुए खेल होने देंगे, पर उसके लिए बलि का बकरा बनाया गया एनईटीवी को। उसको आफिसियल टेलिकास्ट करने की परमिशन नहीं मिली। वह एक मात्र टी॰वी॰ है, जो वहां फ्री में सर्विस करने के लिए तैयार था। उन्होंने कहा कि हम फ्री लाइव टेलिकास्ट करेंगे, उसके बावजूद उसको कैम्पस में नहीं घुसने दिया गया। ...(**समय की घंटी**)... आज उसकी लाइफ को थ्रेट है। मेरा कहना है कि सरकार क्या इस पर संज्ञान लेगी? ...(**व्यवधान**)...

श्री दिग्विजय सिंह: उपसभापति महोदय, गृह मंत्री जी को जवाब देना चाहिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: देखिए, दिग्विजय सिंह जी, आप स्पेशल मेंशन में सरकार से फौरन जवाब-तलब नहीं कर सकते। ...(**व्यवधान**)... आप जीरो आवर में सरकार से ...(**व्यवधान**)...

श्री एस॰एस॰ अहलुवालिया: सर, यह बहुत सीरियस मामला है। ...(**व्यवधान**)... क्या सरकार देखेगी कि जिसको सिक्योरिटी मिली हुई थी, वह सिक्योरिटी विदड्रा हो गई। ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: आपने हाउस के नोटिस में ला दिया है। ...(**व्यवधान**)... सरकार इस पर इमीडिएट रिएक्ट करे, यह जरूरी नहीं है। ...(**व्यवधान**)... आपने कह दिया है। ...(**व्यवधान**)...

The Government has taken note of it. *...(Interruptions)...*

श्री एस॰एस॰ अहलुवालिया: सर, उनकी सुरक्षा का सवाल है। ...(**व्यवधान**)... क्या गृह मंत्री जी, उनकी सुरक्षा का आश्वासन देंगे? ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The Chair cannot insist on the Government. *...(Interruptions)...*

श्री एस॰एस॰ अहलुवालिया: भारत के हर रीजनल लैंग्वेज टी॰वी॰ के साथ ऐसा हो रहा है। ...(**व्यवधान**)... हमें इसके बारे में एश्योरेंस चाहिए।

श्री उपसभापति: देखिए, होम मिनिस्टर साहब रिएक्ट करेंगे। ...(**व्यवधान**)... आप सुन लीजिए।

गृह मंत्री (श्री शिवराज वी॰ पाटिल): उपसभापति महोदय, मैं तभी बोलने के लिए तैयार हूं, जब मेरा जवाब पूरी तरह से सुन लिया जाए। बीच-बीच में बोलेंगे, तो बात न इधर ही रह जाती है और न उधर की रह जाती है। ...(**व्यवधान**)... सर, यह सुरक्षा देने का जो सवाल है, उसके बारे में केन्द्र सरकार से स्टेट सरकार को कह कर, उसका पूरा इंतजाम करने के लिए कहा जाएगा। उन्होंने अगर वह नहीं किया, तो क्यों नहीं किया, यह पूछा जाएगा और उस हालत में जो हमको यहां से करना है, वह हम करेंगे।

Reported incidents of rape of dalit and tribal women of Jharkhand by miscreamts in Balia district of Uttar Pradesh

श्री अजय मारू (झारखंड): धन्यवाद उपसभापति महोदय। कल भी झारखंड के एक महत्वपूर्ण विषय पर हमने चर्चा की थी। मैं एक ऐसे विषय पर सदन का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं जिससे पूरे झारखंड में आक्रोश का वातावरण उत्पन्न हो रखा है।

महोदय, गत 21 फरवरी, 2007 की रात लगभग 11.00 बजे उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के भीमपुरा थाना क्षेत्र के सीहोरीडीह गांव में स्थित ईंट-भट्टे पर 15 से 20 हथियारबंद बदमाशों ने धावा बोल दिया।